साहित्य अकादेमी सम्मान गगन गिल को, अजीत कौर को महत्तर सदस्यता

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 दिसंबर।

कवयित्री गगन गिल समेत भारतीय भाषाओं के 21 साहित्यकारों को वर्ष 2024 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार दिया जाएगा। बुधवार को अकादेमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने यह घोषणा की। गगन गिल को हिंदी के लिए उनके कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए सम्मानित किया जाएगा। पुस्तक के प्रकाशक वाणी प्रकाशन के प्रबंध निदेशक अरुण माहेश्वरी ने लेखिका को साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, अकादेमी ने पंजाबी लेखिका अजीत कौर को महत्तर सदस्यता से सम्मानित किया।

गगन गिल।

राव ने कहा कि अंग्रेजी में ईस्टरिन किरे को उनके उपन्यास 'स्पिरिट नाइट्स' के लिए और मराठी में सुधीर रसाल को उनकी आलोचना 'विंदांचे गुद्यरूप' के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राव के मुताबिक इनके अलावा संस्कृत में दीपक कुमार शर्मा (कविता संग्रह), राजस्थानी में मुकुट मणिराज (कविता संग्रह), पंजाबी में पाल कौर (कविता संग्रह), कश्मीरी में सोहन कौल (उपन्यास) और गुजराती में दिलीप झावेरी (कविता संग्रह), असमिया में समीर तांती (कविता संग्रह), मलयालम में के जयकुमार (कविता संग्रह), मणिपुरी में हाओबम सत्यबती देवी (कविता संग्रह), बोडो में अरन राजा (उपन्यास), नेपाली में युवा बराल (कहानी संग्रह), सिंधी में हूंदराज बलवाणी (कहानी संग्रह), कोंकणी में मुकेश थली (निबंध), मैथिली में महेंद्र मलंगिया (निबंध), ओड़ीया में बैष्णब चरण सामल (निबंध), कन्नड में केवी नारायण (साहित्यिक आलोचना), तेलुगु में पेनुगोंडा लक्ष्मीनारायण (साहित्यिक आलोचना), संताली में महेश्वर सोरेन (नाटक) और तमिल में एआर वेंकटचलपति (शोध) को पुरस्कृत किया जाएगा।